This question paper contains 3 printed pages]

Roll No. | | | | | | | | | | | |

S. No. of Question Paper : 2387

Unique Paper Code : 52051307 HC

Name of the Paper : हिंदी 'क'

Name of the Course : B.Com. (Prog.)—CBCS

Semester : III

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।)

1. 'कहानी' के स्वरूप को स्पष्ट कीजिए। 12

अथवा

नाटक के तत्वों पर प्रकाश डालिए।

2. 'मलबे का मालिक' की मूल संवेदना लिखिए। 12

अथवा

तात्विक दृष्टि से 'नमक का दारोगा' कहानी की समीक्षा कीजिए।

3. 'साहित्य जनसमूह के हृदय का विकास है' निबंध का प्रतिपाद्य लिखिए। 12

अथवा

निबंध शैली के आधार पर 'नाखून क्यों बढ़ते हैं' की समीक्षा कीजिए। 12

P.T.O.

4. 'अंधेर नगरी' नाटक में अभिव्यक्त व्यंग्य को स्पष्ट कीजिए।

अथवा

संस्मरण 'घीसा' के कथ्य पर विचार कीजिए।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 10+10=

(क) वह अत्याचार होते देखकर तिलमिला जाता, जोशीले भाषण देता, गाँवों में जाकर वह बच्चों को पढ़ाता, गरीबों के प्रति उसका दिल दया से लबालब भरा रहता। अमीर होकर भी वह सादगी से जीवन बिताता। सारांश यह कि महान नेता बनने के सभी शुभ लक्षण उसमें नजर आए। कदम-कदम पर वह मेरी सलाह लेता, और मैंने भी उसके भावी जीवन का नक्शा उसके दिमाग में पूरी तरह उतार दिया था, जिससे वह कहीं भी पथ-भ्रष्ट न होने पाए।

(ख) आजकल पृथ्वी पर इस प्रकार का व्यापार बहुत चल रहा है। लोग दोस्तों को कुछ चीज भेजते हैं और वह रास्ते में ही रेलवे वाले उड़ा लेते हैं। हौजरी के पार्सल के मोजे रेलवे के अफसर पहनते हैं। रेलगाड़ी के डब्बे-के-डब्बे रास्ते में कट जाते हैं। एक और चीज हो रही है। राजनीतिक दलों के नेता विरोधी नेता को उड़ाकर बंद कर देते हैं।

(ग) किसी भाव के अच्छे या बुरे होने का निश्चय अधिकतर उसकी प्रवृत्ति के शुभ या अशुभ परिणाम के विचार से होता है। वही उत्साह जो कर्तव्य कर्मों के प्रति इतना सुन्दर दिखाई पड़ता है, अकर्तव्य कर्मों की ओर होने पर वैसा श्लाघ्य प्रतीत नहीं होता। आत्मरक्षा, पर रक्षा, देश-रक्षा आदि के निमित्त साहस की जो उमंग देखी जाती है उसके सौन्दर्य को पर-पीड़न, डकैती आदि कर्मों का साहस कभी नहीं पहुँच सकता।

6. निम्नलिखित में से किसी **एक** पर टिप्पणी लिखिए : 7

(क) संस्मरण की विशेषताएँ

(ख) एकांकी के तत्त्व

(ग) निबंन्ध की विशेषताएँ।